वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 164 | रविवार 9 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जमकर बरसे मेघ, हुई ठंड

कोटा बैराज और बीसलपुर के गेट खोले, रात-दिन का पारा लगभग बराबरी पर आया

जयपुर. कासं

मानसून की विदाई के एक हफ्ते बाद प्रदेश पर बादल फिर मेहरबान हुए हैं। बंगाल की खाड़ी में बने नए सिस्टम से दक्षिण-पूर्वी जिलों में बारिश शनिवार को भी जारी रही। बीते चौबीस घंटे में 13 जगह भारी बारिश हुई। बारां, करौली, स. माधोपुर में 2 से 5 इंच तक पानी बरसा। कोटा, भरतपुर, उदयपुर, भरतपुर, जयपुर, अजमेर सहित कई जगह दिनभर तेज बारिश हुई। इससे पारा गिरा और दिन-रात के पारे में अन्तर घटकर 1 से 2° तक आ गया। उधर, एमपी में जोरदार बारिश से चम्बल में पानी की आवक बढ़ी और कोटा बैराज के गेट खोले गए। त्रिवेणी नदी में गेज बढ़ने से बीसलपुर बांध के भी दो गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। हालांकि तेज वर्षा से प्रदेश में कई जगह फसलों को खासा नुकसान पहुंचा है। **आज यहां बारिश का येलो अलर्ट:** जयपुर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, दौसा, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, टोंक।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार उत्तर भारत में एक फ्रेश डिस्टर्बेंस एक्टिव होने के कारण और बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के चलते राजस्थान व मध्यप्रदेश में भारी बारिश हुई है। इसका असर रविवार तक देखने को मिलेगा और इस दौरान प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी जिलों में बारिश होगी। इस बीच दिन और रात के तापमान में और गिरावट आएगी। बीसलपुर के कैचमेंट एरिया में बारिश होने के बाद शनिवार को फिर से दो गेट खोले गए। बांध से 6000 क्यूसेक पानी डाउनस्ट्रीम में छोड़ा जा रहा है। बांध के दूसरी बार गेट खोले गए हैं। पहले 26 अगस्त से 4 अक्टूबर तक गेट खोलकर 10.58 टीएमसी पानी निकाल चुके हैं। बांध के गेट 4 अक्टूबर को बंद किए थे लेकिन बारिश का दौर चलने के बाद जल संसाधन विभाग ने दो गेट 50-50 सेमी खोले हैं। इससे पहले 2016 में 10 अक्टूबर को बांध के दूसरी बार गेट खोले गए थे। 2016 में करीब 45 दिन तक गेट खोलकर पानी डाउनस्ट्रीम में छोड़ा गया था।

2023 के रण के लिए तैयारी

पायलट कल से दौरों पर, आगाज राजे के गढ़ झालरापाटन क्षेत्र से

जयपुर. कासं। प्रदेश कांग्रेस में सियासी पसोपेश की स्थिति पर विराम लगता दिख रहा है। सीएम अशोक गहलोत निवेश लाने में ताकत झोंक रहे हैं, वहीं, अब पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट 10 अक्टूबर से प्रदेश में चुनावी दौरों की शुरूआत करने जा रहे हैं। इसका आगाज पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के गढ़ झालरापाटन से करेंगे। सोमवार को पायलट ट्रेन से कोटा पहुंचेंगे, यहां से सड़क मार्ग से झालरापाटन पहुंचेंगे। राजे झालरापाटन से 2003 से लगातार विधायक चुनी जाती रही हैं। 2003 में यहां से राजे के सामने कांग्रेस से सचिन की माता रमा पायलट चुनाव में उतरीं लेकिन हार गई थीं। सचिन 2023 के चुनावों के दौरों का आगाज यहीं से कर रहे हैं। इधर, पायलट के दौरों को उनके समर्थकों के लिए नए संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है।

बच्चों में आंत और लिवर संबंधी बढ़ते केस पर चर्चा

इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी एंड न्यूट्रिशन सम्मेलन आज

जयपुर. कासं। जयपुर में पहली बार तीन दिवसीय इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी एंड न्यूट्रिशन का 9वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी चैप्टर का 32वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित की जा रही है। यह सम्मेलन 9 अक्टूबर 2022 तक चलेगा। आयोजन अध्यक्ष और जेके लोन अस्पताल, अधीक्षक, डॉ आर के गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन की शुरूआत आज 5 प्री कांफ्रेंस वर्कशॉप के साथ हुई। न्यू बॉर्न और चाइल्ड में तेजी से बढ़ रहीं पेट और लीवर से संबंधित बीमारियों में वृद्धि के कारण इस वर्ष सम्मेलन का विषय बड़ी ही सुझ बूझ से रखा गया है। गट एंड लिवर इमर्जिंग ट्रेंड्स। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन शनिवार, 8 अक्टूबर को जे एल एन मार्ग स्थित, होटल क्लार्क्स आमेर में सुबह 11 बजे, मुख्य अतिथि, माननीय राजस्थान, स्वास्थ्य मंत्री, प्रसादी लाल मीणा द्वारा किया जाएगा।

खोया हुआ धन वापस मिल सकता है लेकिन बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता: समकितमुनिजी

क्षण भर के गलत कार्य का भुगतान करना पड़ता जिंदगी भर

उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना का दसवां दिन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन क्षणभंगुर है इसका कोई भरोसा नहीं है कब हवा का झोंका आए और सब कुछ खत्म हो जाए इसलिए कभी समय का प्रमाद मत करना, समय किसी को माफ नहीं करता है। समय बड़ा बलवान व ताकतवर है, जो समय फेल करते है उनको समय जिंदगी में कभी पास नहीं होने देता। जो समय पास करते है उनको बाद में समय बाईपास कर देता है। खोया हुआ धन वापस मिल सकता लेकिन बीता हुआ समय लौटकर नहीं आ सकता। ये विचार श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में शनिवार को परमात्मा भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन आगम की 27 दिवसीय आराधना ह्यह्यआपकी बात आपके साथह्लह्ल के दसवें दिन व्यक्त किए। इसके तहत आगम के 36 अध्यायों में से दसवें अध्याय द्रुमपत्रक का वाचन करने के साथ इसके बारे में समझाया गया। उन्होंने कहा कि वक्त के साथ न चलने वाला पीछे रह जाता है। समय की तरह ही जुबां से निकले शब्द भी वापस नहीं आ सकते। कभी बुरा नहीं देखे, बुरा नहीं करे और बुरा नहीं सुने। क्षण भर के गलत कार्य का भुगतान जिंदगी भर करना पड़ता है। जीव को कई योनियों में बहुत परेशानियां झेलने के बाद ये मानव तन प्राप्त होता है। मुनिश्री ने कहा कि धर्म के प्रति श्रद्धा का जागरण नहीं होने पर मानव जन्म सार्थक नहीं हो सकता। इस बार चूक गए तो पता नहीं फिर कब मौका मिलेगा। आगमकारों ने कहा है कि समय का बिल्कुल प्रमाद मत करों। शरीर की ताकत तो समाप्त हो रही है समय की ताकत के सामने किसी की नहीं चलने वाली है। समय का संबल लेने वाला ही आगे के सुख की तैयारी करता है। उन्होंने कहा कि प्रमादी को चारों दिशाओं से खतरा होता है। समय का सुदपयोग करने पर ही इस खतरे को कम किया जा सकता है। यदि 100 में से एक कदम नहीं चल पाए तो 99 कदम बेकार हो जाते है। सांसारिक इन्द्रिय सुखों में डूबे रहने वालों को दुःख पाने ही पड़ते है। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी म.सा. ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। लक्की ड्रॉ के माध्यम से तीन-तीन भाग्यशाली श्रावक-श्राविकाओं को प्रभावना में चांदी के सिक्के लाभार्थी परिवारों द्वारा प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वगात श्रीसंघ शांतिभवन के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया।

सहजता व सरलता की मिसाल थी दिवंगत महासाध्वी राजमतिजी म.सा.

पूज्य समकितमुनिजी ने शुक्रवार को मचिन्द में दिवंगत हुई मेवाड़ परम्परा की वरिष्ठ महासाध्वी राजमतिजी म.सा. को भावाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि अंबेश गुरू से दीक्षा पाने के बाद लंबे समय तक संयमी जीवन की पालना करने वाली महासाध्वी सहजता व सरलता की मिसाल थी। उन्होंने दीर्घकालीन संयमित जीवन जीते हुए जिनशासन की प्रभावना की। संयम के साथ अंतिम समय में संथारापूर्वक आराधना करते हुए शरीर त्याग किया। मुनिश्री ने देवलोकगमन करने वाली महासाध्वीजी के दिवंगत आत्मा की मुक्ति के प्रार्थना के साथ चार लोगस्स एवं नवकार मंत्र की आराधना कराई।

संगिनी फॉरएवर ग्रुप का भव्य डांडिया महोत्सव संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर द्वारा अपने सदस्यों की भव्य एवम् आकर्षक प्रस्तुति के साथ डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मृदुला जैन पांड्या की गरिमामय उपस्थिति रही। समारोह गौरव शशि जैन, विशिष्ट अतिथि बबीता थी। सुनीता अजमेरा ने दीप प्रज्वलन किया। ग्रुप के कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा तिलक लगाकर माला पहनाकर अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। ग्रुप सचिव सुनीता गंगवाल ने बताया कि डांडिया में रंग-बिरंगी वेशभूषा में सभी सदस्यों द्वारा उत्साह एवं जोशीले अंदाज में बढ़ चढ़कर भाग लिया। बेस्ट डांस का पुरस्कार नेहा जैन एवं प्राची को मिला। बेस्ट डांस सीनियर्स का पुरस्कार

अर्चना जैन एवं सुनीता भौच को एवं बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार आयुषी जैन एवं सुलोचना जैन को मिला। बेस्ट कपल प्रिया - प्राची , सुलोचना - अर्चना चुने गये । ग्रुप में शानदार हाउजी ग्रुप उपाध्यक्ष अर्चना जैन एवं एवं अनीता द्वारा खिलाई गई । कोषाध्यक्ष उर्मिला ने बताया कि सभी सदस्यों ने डांडिया के साथ-साथ स्वादिष्ट भोजन का भी पूर्ण आनंद लिया भक्ति और संस्कृति के उत्सव को साकार करने के लिए ग्रुप कार्यकारिणी सदस्य मधु, अंजना, बीना शाह, लता द्वारा आयोजन को बेहतरीन बनाया गया । सुनीता गंगवाल ने शानदार मंच संचालन कर समा बांध दिया । अंत में अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका द्वारा पुरस्कार वितरित कर सभी सदस्यों का आभार प्रकट कर समारोह का समापन किया गया।

JSG
Jain Social Groups
Int. Federation
Grow more to Serve more
Group No. 154
जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
विशेष आकर्षण
भगवान महावीर की
1008 दीपकों से आरती
20वां
JKJ JEWELLERS
दीपोत्सव
डांडिया 2022
डांडिया पुरस्कार
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
NO PLASTIC FOOD ZONE
आकर्षक बम्पर हाऊजी
डीजे डांडिया धमाल
लक्की ड्रा
Kasera Kids Fashions Show
रविवार, 9 अक्टूबर 2022, सायं 4 बजे से 10 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी–स्कीम, जयपुर
उद्घाटनकर्त्ता –
श्री जतिन मोसून
निदेशक-जेकेजे ज्वैलर्स
मुख्य अतिथि –
श्री शान्ति कुमार–ममता सोगानी
सोगानी ज्वैलर्स
समारोह अध्यक्ष –
श्री दीक्षान्त हाड़ा
प्रमुख समाज सेवी
दीप प्रज्जवलनकर्त्ता –
श्री सुनील जैन पहाड़िया
प्रमुख समाज सेवी
डॉडिया रिंग उद्घाटनकर्त्ता –
डॉ. अखिल कुमार बड़जात्या
निदेशक-सरस्वती धाम
डॉडिया गिफ्ट प्रायोजक –
श्री विनय सोगानी
प्रमुख समाज सेवी
फैशन शो उद्घाटनकर्त्ता –
श्री महावीर जैन
निदेशक-कसेरा टैन्ट एण्ड इवेन्ट
फैशन शो मुख्य अतिथि –
श्री शंकर रुंडला
निदेशक-रूंडला एन्टरप्राईजेज
विशिष्ट अतिथिगण –
श्री कमल सचेती
निवर्तमान अध्यक्ष-जेएसजीआईएफ
इंजी राकेश जैन
पूर्व अध्यक्ष-जेएसजीआईएफ
श्री सी.एस. जैन
सचिव-जेएसजीआईएफ
श्री राजेश अग्रवाल
निदेशक-सिटी वाईब्स
श्री राजकुमार जैन
निदेशक-निरकॉन प्राईवेट लि.
श्री मुकेश शर्मा
निदेशक-मेटाक्राफ्ट
श्री प्रावीर जैन, अवधेश डंगायच, बाबूलाल जी मावा वाले
निदेशक - फोर्ट रेस्टोरेन्ट
श्री अनिल जैन
निदेशक-क्रॉसलैण्ड
श्री रमेश धर्मानी
इटर्नल हॉस्पिटल, सांगानेर
डॉ. राजीव–अंजू जैन
प्रमुख समाज सेवी
श्री पीयूष–मोनाली सोनी
प्रमुख समाज सेवी
फैशन शो संयोजक –
अरविन्द-दीपिका जैन, विपिन-हेमा जैन, मनीष-साक्षी जैन
फैशन शो सह–संयोजक –
संदीप-कविता जैन, पवन-मनीषा जैन
मुख्य संयोजक:
दीपेश–अल्का छाबड़ा
संयोजक – सुनील-अनिता गंगवाल, राहुल-खुशबू पापड़ीवाल, हेमन्त-श्वेता बड़जात्या
सह–संयोजक – दीक्षांत-आकांक्षा हाड़ा, पीयूष-मोनाली सोनी, अतीव-दीपिका जैन, राजकुमार-अमिता जैन
सहयोगी संस्थाएं: जेएसजी अरिहन्त, सिद्धा, मैट्रो, राजधानी, जनक, अप टू डेट, राजस्थान जैन युवा महासभा, रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति
JSGIF NORTHERN REGION
Executive Committee
Chairman
Rajendra Dhabria
98280-20107
Secretary
Ajay Jain
94140-73937
Elect Chairman
Mahendra Singhvi
Imm. For. Chairman & ID
Mahendra Girdharwal
Vice Chairman
Rajeev Patni
Manish Jain
Pankaj Dhedhia
Joint Secretary
Naresh Ranwaka
Prakash Harkawat
Treasurer
Manish Soni
P.R.O.
Dr. Rajeev Jain
P.R.O.
Sunil Paharia
JAIN SOCIAL GROUP MAHANAGAR EXECUTIVE COMMITTEE
President
Sanjay-Sapna Chhabra
83869-88888
Founder President
Pradeep-Nisha Jain
98290-51671
Imm. Former President
Deepesh-Alka Jain
98290-26332
Former President
Chander Shekhar Sangeeta Jain
98291-34926
Former President
Siddarth-Chanchal Pandya
94140-83303
Former President
Ravi Prakash-Namita Jain
94140-74872
Secretary
Anuj-Kirti Jain
98292-65165
Former President
Virendra-Neena Jain Gadiyal
99291-96409
Former President
Rajeev-Anju Jain
98292-62723
Vice President
Sushil-Sarita Kasliwal
93145-01975
Joint Secretary
Sudhir-Heeramani Soni
94140-41914
Treasurer
Surendra-Sarita Patni
94140-42220
Co-ordinator
Sunil-Anita Gangwal
Co-ordinator
Devendra-Mamta Jain
Co-ordinator
Mahendra-Urmil Bakshi
Cultural Committee Chairman
Arvind-Deepika Jain
Social Committee Chairman
Sanjay-Sadhana Kala
94140-74132
EXECUTIVE MEMBERS
कार्यक्रम में प्रवेश - प्रवेश पत्र से ही होगा। प्रवेश पत्र हेतु संयोजकों या महानगर महानगर कार्यकारिणी से सम्पर्क कर सकते हैं। प्रवेश हेतु महिला सदस्य का होना आवश्यक है। प्रवेशाधिकार महानगर कार्यकारिणी के पास सुरक्षित है।
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
प्रायोजक
ARL
ARL Infratech Ltd.
cityvibes
FORT
SOGANI JEWELLERS
Jewellery Beyond Precision
Rama's
फैशन शो प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event

वेद ज्ञान

परमात्मा से रिश्ता

स्मरण रखें आप विराट आनंदपूर्ण परमात्मा की संतान हैं। जब पिता आनंदपूर्ण हैं तो पुत्र कैसे दुखी हो सकता है? अगर आप दुखी हैं तो इसका एक ही कारण है आपका संबंध परमात्मा से टूट चुका है। बचपन में आप परमात्मा से जुड़े थे, लेकिन अब आप परमात्मा से टूट चुके हैं। परमात्मा के प्रकाश से बाहर आ चुके हैं। फलतः आपके जीवन में दुख का गहरा अंधकार छा गया है। जिस प्रकार आप जब तक मोबाइल के टावर के रेंज में रहते हैं तब तक आपकी बातचीत होती रहती है वैसी ही स्थिति हमारी भी है। हम जब तक परमात्मा और प्रकृति से जुड़े रहते हैं, तब तक हम स्वस्थ और प्रसन्न बने रहते हैं। ज्यों ही हमारा संबंध परमात्मा और प्रकृति से टूटता है, हम अंधकार में चले जाते हैं, हमारा जीवन चिंताग्रस्त और दुखपूर्ण हो जाता है। बहती नदी में कभी शैवाल नहीं लगता, न पानी सड़ता है, लेकिन पानी का बहना ज्यों ही रुकता है वहां शैवाल भर जाता है, पानी महकने लगता है। हमारे जीवन में अगर दुख है तो उसका एक ही कारण है कि हमने अपने जीवन में प्रेम, आकर्षण व आशा को निकाल दिया है। हमने मान लिया है कि हमारे जीवन में अब सुख आने वाला नहीं है। हम सुख को भूल चुके हैं, सुख के मार्ग को बंद कर चुके हैं। हमने स्वयं अपने जीवन को मरुभूमि बना लिया है। हमारे जीवन में दुख इसलिए है कि सुख का अभाव हो गया है। जीवन में समस्या इसलिए है कि हम उसका समाधान भूल चुके हैं। श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं कि समस्या या दुख जीवन में आता है तो उसे आने दो। आप उसकी गति को रोक नहीं सकोगे। केवल समस्या से लड़ें मत। दुख से लड़ते-लड़ते मर जाओगे। आपको समस्या या दुख का निदान खोजना है। दुख आपके पास नहीं आया है। वह तो कहीं जा रहा था। आप स्वयं उसके मार्ग में आकर खड़े हो गए हो। आपने जाते हुए दुख को रोका क्यों? उसे जाने देते, लेकिन आप कब से उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। दुख के बारे में सोचेंगे, उसे अपने पास आने का मार्ग देंगे तो दुख स्वतः बहता हुआ आपके पास आ जाएगा। दुख या सुख एक भाव है, एक विचार है, एक ऊर्जा है, शक्ति है। इसलिए अगर आप दुख के बारे में सोचेंगे तो दुख मिलेगा। आप जब कमरे में लगा स्विच ऑफ कर देते हैं तो वहां अंधकार को आना पड़ता है।

संपादकीय

चीन से आगे निकल सकता है भारत

जबसे आंकड़ा आया है कि अगले छह-सात सालों में भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा, चीन दूसरे स्थान पर खिसक जाएगा, तबसे यह चिंता और गहरी हो गई है। इस संदर्भ में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर व्यावहारिक नीति बनाने की भी सिफारिश की जाती रही है। इसी के मद्देनजर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी सुझाव दिया है कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर व्यापक और सर्वमान्य नीति बनाई जानी चाहिए। इससे उम्मीद बनी है कि सरकार इस दिशा में जल्दी ही पहल करेगी। हालांकि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर प्रयास लंबे समय से चल रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि भारत में प्रजनन दर दो के आसपास पहुंच गई है। मगर समस्या का हल इतने भर से निकलने वाला नहीं है। मोहन भागवत ने यह भी कहा कि इसके लिए एक ऐसी नीति बनाने की जरूरत है जो सभी समुदायों पर समान रूप से लागू हो। अगर सभी समुदायों में प्रजनन दर संतुलित नहीं होती तो भौगोलिक सीमाओं में बदलाव के खतरे बने रहते हैं। हालांकि जनसंख्या नियंत्रण के लिए कोई व्यावहारिक और सर्वमान्य नीति बनाना कोई आसान काम नहीं है। खासकर भारत जैसे विविध धर्म और समुदायों वाले देश में व्यक्तिगत निर्णयों से तय होने वाले मसलों को कानून के जरिए संचालित या नियंत्रित करना जोखिम भरा काम होता है। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर इंदिरा गांधी सरकार ने कठोर नियम लागू किया था। उसका अनुभव बहुत खराब रहा। उसके चलते उनकी सरकार चली गई थी। देश के सभी समुदायों में उस कानून का तीखा विरोध हुआ था। उस अनुभव को देखते हुए फिर किसी सरकार ने उस नीति को आगे बढ़ाने का साहस नहीं दिखाया। सबने इस मसले पर जनजागरूकता अभियान का ही सहारा लिया। कुछ अल्पसंख्यक समुदायों में परिवार नियोजन धर्म और आस्था से जुड़ा मामला है। वे इसे अपनाने से बचते हैं। फिर अल्पसंख्यक समुदायों में अपनी आबादी के कम होने की वजह से भय भी बना रहता है, जिसके चलते वे जानते-बूझते परिवार नियोजन जैसी योजनाओं की अनदेखी करते हैं। इसी तरह व्यवसाय से जुड़े समुदायों में अपने व्यवसाय के लिए वारिसों की चिंता रहती है। हालांकि अब लोगों में परिवार नियोजन को लेकर काफी जागरूकता आई है, जिसके उत्साहजनक परिणाम भी आए हैं, पर कुछ समुदायों की पुरानी सोच अभी इसमें आड़े आती है। उन्हें ध्यान में रखते हुए कोई कानून बनाना कठिन काम हो सकता है। मगर आबादी का संसाधनों पर पड़ता दबाव एक कड़वी हकीकत है और इससे पार पाने के लिए कदम बढ़ाने ही पड़ेंगे। जनसंख्या अधिक होने का दुष्परिणाम हर स्तर पर दिखाई देता है। न सबको उचित पोषण मिल पाता है, न गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, चिकित्सा सुविधा और न रोजगार के अवसर उपलब्ध हो पाते हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के भुखमरी सूचकांक, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य आदि मामलों में सबसे नीचे के कुछ देशों के साथ खड़ा नजर आता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आतंक का नासूर

जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लगाना सरकार के लिए अब भी बड़ी चुनौती है। जब भी कोई राष्ट्रीय पर्व आता है या केंद्र सरकार का कोई बड़ा नेता घाटी के दौरे पर होता है, तब दहशतगर्द कुछ अतिरिक्त रूप से सक्रिय हो जाते हैं। जब केंद्रीय गृहमंत्री घाटी के दौरे पर गए, तब भी आतंकी गतिविधियां तेज हो गईं। घात लगा कर हमले किए गए। उसके बाद सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में चार आतंकी मार गिराए। घाटी में दहशतगर्दी के पीछे पाकिस्तान का हाथ किसी से छिपा नहीं है। इस मुद्दे पर वर्षों उसके साथ बातचीत का दौर चलता रहा, मगर उसने इसे रोकने में कोई सकारात्मक पहल नहीं की। अब गृहमंत्री ने कहा है कि सरकार पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं करेगी, वह घाटी से आतंकवादियों का सफाया करेगी और घाटी को सबसे शांत इलाका बनाएगी। मगर तमाम सख्ती और सक्रियता के बावजूद जिस तरह घाटी में आतंकी संगठनों की मौजूदगी न सिर्फ बनी हुई है, बल्कि वे लगातार सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते आ रहे हैं, उसे देखते हुए यह दावा करना मुश्किल है कि घाटी में अमन का दौर कब शुरू हो सकेगा। फिर सवाल वही है कि क्या सिर्फ हथियार के बल पर वहां दहशतगर्दी को खत्म किया जा सकता है। पिछले कुछ सालों से घाटी में अमन बहाली के लिए सख्त सैन्य अभियान चलाए जा रहे हैं। अलगाववादी संगठनों को एक तरह से प्रभावहीन कर दिया गया है। आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर कड़ी नजर है। घाटी में सैन्य बलों की तादाद पहले से काफी बढ़ाई जा चुकी है। तलाशी अभियान निरंतर चल रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से सड़क मार्ग के जरिए होने वाली तिजारत पर रोक लगी हुई है, जिससे दहशतगर्दों तक पैसा, हथियार वगैरह की आमद लगभग बंद मानी जा रही है। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद लंबे समय तक कर्फ्यू रहा, संचार सेवाएं बंद थीं। तब कहा गया था कि आतंकी संगठनों की कमर टूट चुकी है। कुछ मौकों पर दोहराया भी गया कि घाटी से दहशतगर्दी अब समाप्त होने को है। मगर हकीकत तब सामने आ जाती है, जब कोई बड़ा हमला हो जाता है। वैसे सुरक्षा बलों को निशाना बना कर दहशतगर्द आए दिन हमले करते रहते हैं। जवाब में सुरक्षा बल भी दहशतगर्दों को मार गिराते हैं। फिर भी वे नए सिरे से पूरी तैयारी के साथ प्रकट हो जाते हैं, यह हैरानी की बात है। कुछ दिनों पहले खुद सरकार ने आंकड़े जारी करके बताया था कि पिछले दो सालों में आतंकी संगठनों में भर्ती होने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ी है। जाहिर है, सरकार के तमाम उपायों के बावजूद घाटी में दहशतगर्दों के मंसूबे कमजोर नहीं हो रहे। ऐसे में अगर सचमुच सरकार आतंकवाद खत्म करने को लेकर गंभीर है, तो उसे नई रणनीति बनाने की जरूरत है। हथियार के बल पर वह इसे समाप्त करने की कोशिशों में कामयाब होती नजर नहीं आ रही। मगर जिस तरह गृहमंत्री ने इस समस्या से पार पाने का दम भरा, उससे प्रकट है कि सरकार हथियार के अलावा दूसरे किसी रास्ते पर विचार नहीं करना चाहती। अब वहां चुनाव की प्रक्रिया शुरू होनी है और आतंकी उसे चुनौती देने के मंसूबे बांध रहे हैं। इसलिए सरकार को हथियार के साथ-साथ स्थानीय लोगों के रुझान को भी समझने का प्रयास करना चाहिए।

पण्डित टोडरमल स्मारक भवन में 25वां आध्यात्मिक शिविर

आए अवसर का लो लाभः डॉ. शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल

जयपुर. शाबाश इंडिया

ज्ञानतीर्थ पंडित टोडरमल स्मारक भवन में चल रहे आध्यात्मिक शिक्षण शिविर में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल ने कहा कि जब हमारे पास अवसर होता है,तब हमें उसका एहसास नहीं होता और जब एहसास होता है तब तक वह अवसर निकल जाता है। आज हम सभी आत्मानुभव का सुयोग्य अवसर हमें मिला है,लेकिन हमें उसका

एहसास नहीं है। हमें जिस दिन इसका एहसास हो जाएगा उस दिन हमारा कल्याण हो जाएगा। श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय जयपुर के 176, आचार्य अकलंक महाविद्यालय बांसवाड़ा के 24, आचार्य धरसेन महाविद्यालय कोटा के 48 विद्यार्थियों को उनके भविष्य से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि यदि हमारा लक्ष्य सही दिशा में है तो हमारी दिशा का निर्धारण व मार्गदर्शन सही दिशा में चला जाता है।एक सफल व्यक्ति अपना पूरा समय कार्य का निर्णय करने में लगाता है लेकिन 99 फीसदी लोग ऐसे हैं जो कार्य की प्रक्रिया में तो समय लगाते हैं लेकिन कार्य का निर्णय करने में समय नहीं लगाते और यही उनकी असफलता कारण है। जैसे आत्मानुभूति हमारा उद्देष्य है, और जो जो उसका हिस्सा है वह सब उसका प्रोसेस है और जो जो उसका हिस्सा नहीं है वह वह उसका प्रोसेस नहीं है। इस मौके पर शिविर में धार्मिक कक्षाओं के माध्यम से देवलाली पंडित अभय कुमार,डॉ. शान्तिकुमार पाटील जयपुर ,डॉ. राकेश शास्त्री नागपुर डॉ. संजीवकुमार गोधा जयपुर डॉ. दीपक शास्त्री वैद्य डॉ. अरुण बण्ड डॉ. मनीष शास्त्री मेरठ ,पण्डित पीयूष शास्त्री डॉ. प्रवीण शास्त्री बाँसवाड़ा,पण्डित धर्मेन्द्र शास्त्री कोटा महावीराष्टकध्मंगलाष्टक एवं देव-शास्त्र-गुरू, पण्डित जिनकुमार शास्त्री, पण्डित जिनेन्द्र शास्त्री आदि विद्वान धर्म की महती गंगा से श्रावक-श्राविकाओं को लाभान्वित कर रहे है। शिविर 9 अक्टूबर तक चलेगा।

बंधन ग्रुप दो दिवसीय सेल में समाज के छोटे-छोटे गृह उद्योग को एक मंच पर लाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

बंधन ग्रुप की ओर से 2 दिवसीय दीपावली सेल 8 ओर 9 अक्टूबर को मालवीय नगर सेक्टर 3 में शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजन किया गया। बंधन ग्रुप की प्रमुख संयोजिका शैफाली जैन एवं आकांक्षा जैन ने बताया की बंधन ग्रुप की और से समाज के छोटे-छोटे गृह उद्योगों को एक मंच पर लाने के लिए श्री शान्ति नाथ दिगंबर जैन मंदिर, मालवीय प्रांगण में 8 व 9 अक्टूबर को दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन प्रमुख समाजसेविका ममता सौगानी (जापान वाले) के द्वारा किया गया। इस प्रदशनी में निः शुल्क B.P. और शुगर चैकअप किया गया। शालीनी जैन (गोल्ड मैडलिस्ट) हस्तरेखा विशेषाज्ञ द्वारा भी निः शुल्क सेवाएं दी गई। इस प्रदर्शनी में गोबर से बने उत्पाद, कपड़े व गृह सजावट इत्यादी का प्रदर्शन हुआ सभी ने दो दिवसीय प्रदर्शनी में उत्साह के साथ भाग लिया ।

नारी शक्ति पथ :अनुशासन की पगडंडी पर चार किमी चलीं सेविकाएं, दिया एकता का संदेश

जयपुर. कासं। राष्ट्र सेविका समिति जयपुर, अलवर व भरतपुर विभाग की ओर समिति की सेविकाओं ने शनिवार को पथ संचलन कर विजयादशमी उत्सव मनाया। पथ संचलन चौगान स्टेडियम से रवाना होकर, छोटी चौपड़, अजमेरी गेट, नेहरू बाजार, न्यू गेट, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार होते हुए 4 किमी चलकर वापस चौगान स्टेडियम पहुंचा। संचलन में चलने वाली सेविकाओं पर जगह-जगह सड़क के दोनों ओर लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। बरसात में भी सेविकाएं नहीं रूकी और पथ संचलन के माध्यम से अनुशासन व एकता का प्रदर्शन करती रही। इसी बीच भारत माता की जय और वंदे मातरम के जय जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रांत सह कार्यवाहिका सरोज प्रजापति ने दी और धन्यवाद प्रांत सेवा प्रमुख विजय लक्ष्मी नागा ने दिया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अर्चना सक्सेना, अध्यक्ष डॉ. रंजना जैन और प्रमुख वक्ता प्रांत सह तरुणी प्रमुख डॉ. मधु शर्मा, पार्षद व ज़िला मंत्री रेखा राठौड़ थी। इस दौरान प्रमुख वक्ता शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति को सभी को संघटित कर साथ चलना है।

समाजसेवी ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ का हुआ सम्मान

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मान

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा के प्रमुख समाज सेवी का सम्मान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के द्वारा कोटा में आयोजित एक कार्यक्रम में हाडोती में ज्वेलरी के क्षेत्र में,ज्वेलरी व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए,एवं अग्रवाल डायमंड द्वारा पिछले कई सालों से हाडोती के ज्वेलरी व्यापार में एक नया रिवॉल्यूशन लाने का, एवं सम्मानीय ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की डिजाइन की हुई एवं पारंपरिक डिजाइन की हुई, ज्वैलरी को समय-समय पर प्रदर्शित करने का श्रेय प्राप्त करने के उपरांत अग्रवाल डायमंड के चेयरमैन ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ का सम्मान किया। अग्रवाल डायमंड के निदेशक संगीत जैन सर्राफ ने बताया कि कार्यक्रम में अपने अपने क्षेत्र में अच्छे कार्य करने वाले,कोटा शहर की हस्तियों का सम्मान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला थे एवं गेस्ट ऑफ ऑनर जिला कलेक्टर ओपी बुनकर थे एवं स्पेशल गेस्ट कोटा सिटी एसपी केसर सिंह शेखावत थे। सम्मान समारोह आयोजन, में कोटा शहर से एवं आसपास के इलाकों से पधारे, कई गणमान्य श्रेष्ठीगण उपस्थित थे ।इस अवसर पर कोटा पुलिस महकमे के अधिकारियों को एवं शिक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तर पर कार्य करने वाले शिक्षा स्कूल के संचालकों को एवं कई सरकारी महकमों के अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया ।

वैराग्य का मार्ग बहुत कठिन मार्ग है: आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज अपने संघ सहित भट्टारक जी की नसिया में चातुर्मास हेतु विराजमान है। प्रातः भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ, उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया। पश्चात गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। समिति सुनील सभागार में अजीत कासलीवाल,नमन पचोरी, सरोज शाह, कुशल ठोलिया,भगवती राजावत उदयपुर ने अर्घ्य अर्पण कर चित्र अनावरण करते हुए दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया, मंगलाचरण व मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या जयपुर ने किया। चातुर्मास व्यवस्था समिति के महा मन्त्री ओम प्रकाश काला ने बताया कि नागौर व दिल्ली से पधारे अतिथि महानुभावों ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल अर्पण किया ।चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारने का सौभाग्य घनश्याम सेन दिल्ली को प्राप्त हुआ।आचार्य श्री को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया। धर्म सभा में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ मंत्री बीडी कल्ला साहब ने ब्राह्मी लिपि पर लिखी हुई आचार्य श्री की पुस्तक का एवं सुनील संजीवनी ग्रंथ का विमोचन किया। कल्ला जी ने अपने वक्तव्य में कहा गुरु गोविंद दोऊ खड़े कांके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताए ।अगर गुरु कृपा हुई तो मानव भव सागर से तिर जाता है महाराज जी की प्रेरणा से देश की प्राचीन संस्कृति और प्राचीन भाषाओं का लिप्यकरण हो रहा है हम निश्चित रूप से हमारे देश की भाषाओं और संस्कृति को समग्र विश्व के समक्ष रख सकेंगे ।पाली भाषा प्राकृत भाषा से भी प्राचीन है ।मुनि श्री सुश्रुत सागर जी गुरुवर ने अपने उद्बोधन में कहा मैं गुरु को अपने हृदय में नहीं रखता मैं तो गुरु की वंदना कर आप सभी लोगों के हृदय में गुरुवर को विराजमान करता हूं ।पूज्य गुरुवर आचार्य श्री ने अपने मंगल उद बोधन में कहा मत ढूंढो दुनिया में सबसे खूबसूरत कौन है अपने भीतर झांक कर देख लो निज आत्मा को तुम से खूबसूरत और कौन है। जो बाहर की खूबसूरती के पीछे भागते हैं वे अपनी आत्मा की खूबसूरती को जान लें तो वे सबसे सुंदर हो सकते हैं ।पुद्गल द्रव्य अलग है जीव द्रव्य अलग है उम्र किसकी होती है ।उम्र शरीर की होती है पुद्गल की होती होती है आत्मा की कोई उम्र नहीं होती। सबसे ज्यादा सुंदर है निज आत्मा। विद्वान पंडितों को समझना चाहिए कि समाज से जुड़ कर रहे एक पक्ष को ना देखें संसार बहुत बड़ा है ।आज के द्वितीय सत्र को आचार्य श्री के अवतरण दिवस को भव्य रुप से आयोजित कर आरंभ किया गया। चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन नवीन जैन आईएएस भारत भूषण अजमेरा ने किया । पाद प्रक्षालन का सौभाग्य भगवती लाल रजावत परिवार उदयपुर को प्राप्त हुआ धर्म सभा में पूज्य आचार्य भगवन पर एक सुंदर भजन की मनमोहक प्रस्तुति शैलेंद्र यादव ने दी उस पर अपनी भाव भंगिमा ओं को दशार्ते हुए नृत्य किया भारती जैन ने, डॉक्टर महेंद्र कुमार मनुज के द्वारा रचित ग्रंथ अभिनव भूवलय का लोकार्पण आचार्य श्री के सानिध्य में हुआ ।अनिल स्वर्णकार सन्मति विद्यालय के नाम से विद्यालय चलाते हैं भिंडर शहर में आप अजैन होते हुए भी जैन अजैन सभी बच्चों में धर्म प्रभावना कर रहे हैं।

आचार्य भगवंत को अलंकरण पत्र समर्पित किया

चातुर्मास व्यवस्था समिति एवं मुनि संघ प्रबंध समिति तथा सकल दिगंबर जैन समाज जयपुर की ओर से पूरे भारतवर्ष से आए विद्वत जनों की उपस्थिति में आचार्य भगवंत को अलंकरण पत्र समर्पित किया गया। आचार्य श्री ने अपनी मंगलमय वाणी से अमृत वर्षा करते हुए कहा, हर लक्ष्य को पाने का उपाय स्पीड ही नहीं कहीं कहीं लक्ष्य को पाना है तो ठहराव होना चाहिए। संसार में ऐसा भी है एक सांस में जीव 18 बार जन्म लेकर मृत्यु को प्राप्त हो जाता है ।जन्मदिन ऐसा उल्लास का दिन है और होश में रहना चाहिए ,कि पूरी तरह से सावधान रहें और जीवन के एक-एक पल को सार्थक करें। कोई जन्मदिन मनाए तो सीख लेना, जो है वह बदलता जा रहा है। दिन पर दिन घटता ही है। आचार्य श्री सन्मति सागर गुरुवर ने अपने जीवन के अंतिम 10 वर्षों में छाछ और मट्ठा लेकर ही तप साधना में अनवरत रहे। उन्होंने पूरा एक चतुर्मास जयपुर शहर में किया। वैराग्य का मार्ग बहुत कठिन मार्ग है गर्भ में रहने वाला शिशु भी संस्कार ग्रहण कर लेता है पर यह देश यह बात भी मानता है कि शिशु गर्भ में ही संस्कारित होने लगता है। कभी भी गर्भस्थ शिशु की हत्या करना या करवाना नहीं चाहिए। गर्भ की सार्थकता तब है जब जन्म हो, जन्म की सार्थकता तब है जब जैन धर्म का ज्ञान हो ।जितना भी अपना मैनेजमेंट करो एक दिन मिट्टी में ही मिलना है गुरुवर कहते हैं अर्हन्त बनो अर्हन्त नहीं बन सको तो संत बनो संत भी ना बन सको तो संत के कमंडल को पकड़ने के लायक तो बनो।

30वीं अखिल भारतीय दृष्टि बाधित संगीत प्रतियोगिता का दूसरा दिन

युवा वर्ग के एलिमिनेशन व सेमीफाइनल राउंड,सुरवर्षा में भीगते रहे संगीत रसिक

महावीर स्कूल सभागार में आज सुबह 10 बजे फाइनल, राउंड व पारितोषिक वितरण समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। अनुराग संगीत संस्थान के बैनर तले राजापार्क के भाटिया भवन में चल रही त्रिदिवसीय 30वीं अखिल भारतीय दृष्टि बाधित संगीत प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को युवा वर्ग के एलिमिनेशन राउंड हुए। युवा वर्ग के एलिमेशन राउंड में राजस्थान के अलावा मध्यप्रदेश,दिल्ली,हरियाणा आदि राज्यों के 93 प्रतिभागियों सुरवर्षा से संगीत रसिकों को भिगोय रखा। इस दौरान प्रतिभागियों ने सुख के सब साथी,दुख के ना कोय...यारा हो यारा इश्क ने मारा...मत कर तू अभिमान रे बंदे...तेरा नैना क्यों भर आए...जैसी भजन व फिल्मी गीत सुनाकर उपस्थित संगीत रसिक के मन का आल्हादित कर दिया। संस्था के अध्यक्ष ज्ञानचंद झांझरी ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि थे जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन महिला की राजस्थान अध्यक्ष ममता शर्मा व विशिष्ठ अतिथि थे प्रमुख समाजसेवी भुवनेश शर्मा। अध्यक्षता भारत जैन महामंडल महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष स्वयंप्रभा गधईया रही।

श्री पार्श्वनाथ नवयुवक मंडल, सेक्टर-11, थड़ी मार्केट, अग्रवाल फार्म, जयपुर के चुनाव सम्पन्न

सिद्ध कुमार सेठी अध्यक्ष, मनीष कुमार जैन मंत्री बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ नवयुवक मंडल, सेक्टर-11, थडी मार्केट, अग्रवाल फार्म , जयपुर के चुनाव में निम्न पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। सिद्ध कुमार सेठी अध्यक्ष, मनीष कुमार जैन मंत्री, अनिल बाकलीवाल उपाध्यक्ष, अतुल बैनाडा उप मंत्री, राजेश बोहरा कोषाध्यक्ष, राजेश जैन (आस्था) संगठन मंत्री, साकेत लुहाड़िया सलाहकार मंत्री चुने गए और गजेन्द्र ठोलिया, विशाल लुहाडिया, भानु जैन, मनोज कासलीवाल, विकास जैन, रिषभ जैन, अभिनव जैन एवं नवनीत जैन कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। चुनाव अधिकारी पवन जैन (नगीना वाले) थे ।

शिमर वेडिंग एक्सपो में दिखा यूनीक फेस्टिव कलेक्शन

जयपुर. कासं। वेडिंग के कांसेप्ट, ब्राइडल ड्रेसेज, दिवाली डेकोर,करवाचौथ स्पेशल प्रोड्क्ट्स, गिफ्टिंग और डिजाइनर कलेक्शन के साथ दिवाली और वेडिंग ऐग्जीबिशन शिमर वेडिंग एक्सपो का आगाज हो चुका है। जहां इस बार एग्जीबिशन में जयपुर के अलावा दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, गुडगांव, चंडीगढ और कई शहरों से आए 60 से ज्यादा महिला उद्यमी और स्टार्टअप्स अपना बेस्ट कलेक्शन डिस्प्ले कर रहीं हैं।

झूमे उठे हजारों भक्त, गूंजा एक ही स्वर, नंद के आनंद भैयो जय कन्हैयालाल की

भागवत कथा में छाया कृष्ण जन्म का उल्लास, हर तरफ बन गया खुशी का माहौल

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बधाई हो बधाई के साथ हर तरफ गूंज नंद के आनंद भैयो जय कन्हैयालाल की हो रही थी। हजारों भक्तगण एक साथ खुशी से झूम रहे थे, बच्चा हो या बुजुर्ग, महिला हो या पुरूष हर श्रद्धालु खुशी के सागर में डूबकी लगाने को उतारू था, कोई अपनी खुशी जताने से पीछे नहीं रहना चाहता था। हर चेहरे पर उल्लास छाया हुआ था और सभी तारणहार कृष्ण जन्म की खुशी में डूबे हुए थे। ये नजारा शनिवार शाम हनुमान टेकरी काठियाबाबा आश्रम में श्री टेकरी के हनुमानजी भागवत कथा समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के चौथे दिन जब कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया तो साकार हो गया। ऐसा लगा मानों कथास्थल काठियाबाबा आश्रम ही नंदगांव बन गया हो। व्यास पीठ पर विराजित परम पूज्य शांतिदूत पं. श्रीदेवकीनंदन ठाकुरजी महाराज के बधाई गीतों के साथ हजारों भक्त झूमते रहे और एक-दूसरे को कृष्ण जन्मोत्सव की बधाईयां देते रहे। कृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग में वासुदेव की भूमिका आयोजन समिति के सचिव राजेन्द्र कचोलिया ने निभाई तो कैलाश काबरा ने नंदबाबा व उनकी पत्नी रतनदेवी ने यशोदा की भूमिका अदा की। पौत्र आदविक ने श्रीकृष्ण बन सबका मन मोह लिया।

मंच पर कथा के प्रेरणास्त्रोत हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के चौथे दिन हजारों श्रद्धालुओं को विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से सद्कर्म करने, ईश्वर भक्ति करने और भागवत श्रवण का महत्व समझाते रहे। उन्होंने विभिन्न तरह के नरकों का वर्णन सुनाते हुए इंसान को अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित किया ताकि उसे किसी तरह के नरक की यातना नहीं सहनी पड़े। ये बताया कि किस तरह के गलत कर्म करने से किस तरह के नरक में जाना पड़ता है साथ ही ये भी समझाया कि अब भी किस तरह इन नरक में जाने से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत में सुखदेवजी महाराज ने राजा परीक्षित को नरक में जाने से बचने का रास्ता भी बताया है। ऐसा कोई इंसान नहीं जिससे कोई पाप नहीं हुआ हो। मनुष्य के पाप तीन तरह के मन,वाणी व शरीर (कर्म) से होते है। मन से किए पाप को ध्यान से समाप्त किया जा सकता है। इसके लिए आराध्य का स्मरण करे एवं उसकी छवि का अवलोकन करें। वाणी से किया हुए पाप का नाश भगवान का नाम जपने से होता है। कर्म से किए हुए पाप का नाश मनुष्य अच्छे कर्म परोपकार, कथा श्रवण, तीर्थदर्शन आदि करके कर सकता है। कर्म से कर्म के पापों को मारा जाए तो व्यक्ति यहीं रहकर अपना कल्याण कर सकता है। परमात्मा की कृपा से ही व्यक्ति अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है। जब तक मनुष्य भगवान की शरण में नहीं जाएगा उसका कल्याण नहीं हो सकता। महाराजश्री ने कहा कि संसार का सबसे बड़ा रोग भव रोग है और भगवान के नाम का आश्रय ही इस रोग से मुक्ति दिलाता है।

बारिश भी नहीं रोक पाई श्रद्धालुओं की राह

श्रीमद् भागवत कथा श्रवण के लिए श्रद्धालुओं में इतना उत्साह था कि शनिवार दोपहर बारिश भी उनके कदम कथास्थल हनुमान टेकरी काठियाबाबा आश्रम आने से नहीं रोक पाई। बारिश के बावजूद आसपास के गांवों व शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पूरी भक्ति भावना के साथ कथा श्रवण के लिए पांडाल में पहुंचे थे। बाहर आसमान से रिमझिम बारिश होती रही तो अंदर पूज्य देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से भक्ति रस की बारिश श्रद्धालुओं को भिगोती रही। तेज बारिश में व्यवस्थाओं को माकूल रखने के लिए शुक्रवार रात से ही आयोजन समिति के राधेश्याम चेचाणी, श्यामसुंदर नौलखा, राकेश दरक, आशीष पोरवाल, राजेन्द्र कचोलिया, हेमेन्द्र शर्मा, राहूल डाड, जीतू बन्ना, देवीलाल चौधरी आदि कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी से जुटे रहे। कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के कारण ही शनिवार को बारिश के बावजूद कथा का सफल आयोजन हो पाया एवं श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो पाई। श्री टेकरी के हनुमानजी भागवत कथा समिति के तत्वावधान में 11 अक्टूबर तक प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

जयपुर से सम्मेद शिखर जी की 9 वीं यात्रा हुई रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के जयपुर से 20 तीर्थंकर की मोक्ष स्थली श्री सम्मेद शिखर जी की 9 वी यात्रा परम पूज्य संत शिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के मंगल आशिर्वाद एवं उपाध्याय श्री 108 गुप्ति सागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से दिनांक 7 अक्टूबर को रवाना हुई राजस्थान के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। जयपुर संयोजक अजय जैन व पीयूष जैन ने बताया सभी यात्री गुणायतन मधुवन श्री सम्मेद शिखर जी के नवीन परिसर में रिद्धि मंत्रों से 48 मंडलों पर भक्तांबर दीप महा अर्चना में भाग लेंगे और अनंतानंत ऋद्धिधारी ऋषिराजो की पावन रज की उर्जा से युक्त भूमि पर मिलकर आराधना करेंगे। दल 11 तारीख को वापसी करेगा। इस अवसर पर दोपहर नास्ता के पुण्यार्जक गुणमाला देवी पाटनी, समाजसेवी संजय -अंजू पाटनी, समस्त पाटनी परिवार रूपाहेडी वाले रहे यात्रा के मुख्य संयोजक पवन जैन गोधा, विजय जैन चांदीवाले, वीरेंद्र सोनी, जिनराज डालमिया, हेमचंद जैन, सुमित शाह, महावीर कासलीवाल इचलकरंजी रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संयम तप और ज्ञान की श्रेष्ठ मूरत, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

कोटि-कोटि नमन गुरु देव

संजय जैन सर्राफ कामां. शाबाश इंडिया

वर्तमान भौतिकवादी युग में एक ऐसे जैन संत का सानिध्य,दर्शन हमें प्राप्त हो रहा है,जो अपने संयम तप,ज्ञान,और अपने विराट व्यक्तित्व की बेमिसाल मूरत हैं।आप अनेकों ग्रंथों के रचियता,आपकी प्रेरणा से अनेक तीर्थ क्षेत्रों का जीर्णोद्धार चल रहा है,आपकी दयालुता से अनेक जीवदया के कार्यक्रम, गौशालाएं एवं आरोग्य केंद्र,भाग्योदय हस्पताल सागर, आयुर्वेद के लिए जबलपुर में विशाल पूणार्यू हस्पताल, शांति धारा दुग्ध योजना बिना बाराह, स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए हथकरघा केंद्र रूपी अनेकों कार्यक्रम आपकी प्रेरणा एवं निर्देशन में चल रहे हैं। आपने सुनीति शतक, परिषह शतक, निरंजन शतक एवं मूकमाटी महाकाव्य समेत अनेक ग्रंथों की रचनाएं की आपको मराठी कन्नड़ प्राकृत हिंदी एवं संस्कृत सहित अनेकों भाषाओं का ज्ञान है। आज ही के दिन शरद पूर्णिमा के अवसर पर जब एक चांद आसमां को रोशन कर रहा था तब कर्नाटक प्रांत के सदलगा ग्राम में एक चांद

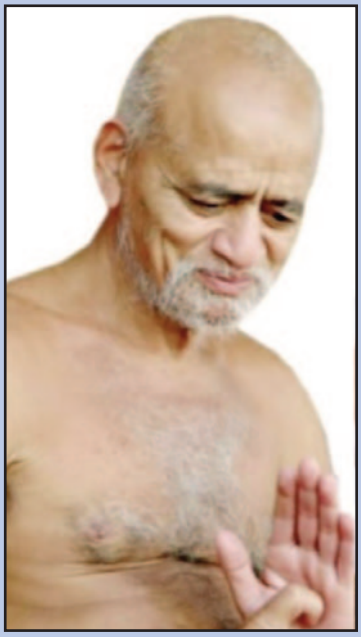

श्री मलप्पा जी अष्टगे एवं श्रीमती अष्टगे के आंगन में अवतरित हुआ था और उसका नाम रखा गया विद्याधर। आप बचपन में आचार्य शांति सागर जी महाराज से प्रेरित रहे आपका जीवन अनेक प्रसंगों से भरा हुआ है। आपका तप एवं संयम अदभुद है।एवं साधुओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। छह रसों का आपका त्याग, परिषह सहन करने की आपकी क्षमता शोध का विषय है। वर्तमान समय में आप जहां भी विचरण करते हैं,वह भूमि तीर्थ स्थली बन जाती है। आपके दर्शनों को भक्त लालायित रहते हैं।लेकिन आप सदैव ही विरक्ति भावना,वैराग्य भावना लिए हुए नजरें नीचे किए रखते हैं। आपके ज्ञान से,आपके समर्पण,आपकी त्याग की भावना, अभिभूत होकर ही सन 1972 में आपके गुर आचार्य ज्ञान सागर जी ने आपको अपना आचार्य पद देकर अपना गुरु बनाया एवं स्वयं शिष्य बनकर कहा की है आचार्य नमोस्तु यह शरीर नश्वर है इंद्रिय जनित है और यह रत्न त्रय साधना में शिथिल होता जा रहा है इंद्रिय अपना सम्यक काम नहीं कर पा रही है इसीलिए मैं आपके श्री चरणों में विधिवत सल्लेखना पूर्वक समाधि मरण करना चाहता हूं। इस प्रकार अपनी समाधि की भावना प्रकट की। तत्पश्चात आचार्य पद ग्रहण करने के 3 वर्ष बाद वर्ष 1975 में आप कामा पधारे और लगभग 15 दिन आपने इस धर्म नगरी कामां में धर्म साधना

की। आज हम सभी आप के अवतरण दिवस पर यही भावना भारते हैं कि आप सदैव स्वस्थ्य रहें।आप दीघार्यु हो,आपका रत्न त्रय निर्बाध रूप से बढ़ता रहे एवं सभी भक्तों को आपका आशीर्वाद मिलता रहे।

एक चांद खिला था अंबर में एक चांद जमीन पर आया था।
शरद पूर्णिमा पर गुरुवर यह अनुपम जादू छाया था।।
तुम ज्ञानपुंज थे दाग रहित, विद्याधर नाम कहाया था।
तुमरी आभा पर नतमस्तक वह चांद गगन का लगाया था।।

प्रसन्न उत्सव एग्जिबिशन के पोस्टर का हुआ विमोचन

10 से 12 अक्टुबर तक चलेगी प्रदर्शनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसन्न उत्सव एग्जिबिशन का आयोजन 10 से 12 अक्टुबर तक मित्तल पैरेडाइज, WTP के पास जे एल एन मार्ग पर होगा। आयोजक मीनाक्षी सोगानी ने बताया कि एग्जिबिशन के पोस्टर का विमोचन एक समारोह मे जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन मुंबई के निवर्तमान अध्यक्ष कमल सचेती, नॉर्दन रीजन चेयरमैन राजेंद्र डाबरिया, उप महापौर पुनीत कर्णावट ने किया।

मुख्यमंत्री गहलोत ने विधायक भंवरलाल शर्मा की पूछी कुशलक्षेम

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को एस.एम.एस. अस्पताल पहुंचकर वहां आई.सी.यू. में भर्ती सरदारशहर के विधायक भंवरलाल शर्मा की कुशलक्षेम पूछी तथा उनके परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने शर्मा के पुत्र अनिल शर्मा से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। गहलोत ने चिकित्सकों को शर्मा की उचित देखभाल करने के दिशा-निर्देश दिए तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज ने कहा...

प्रकृति ने कुछ कार्य अपने हाथों में रखें हैं जिससे सन्तुलन बना रहे

श्रमण संस्कृति सम्मेलन मे हुआ विद्वानों का सम्मान। कमियों को उजागर करने वाले सब जगह घूम रहे हैं...

तीर्थ क्षेत्र से कहीं बड़ा कार्य है संस्थान का संचालनः मुनिश्री

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रकृति ने कुछ कार्य अपने हाथों में लेकर संसार को बढ़ाने का प्रयास किया हैं जैसे प्रकृति से जब किसी बालक का जन्म होता हैं तो उसे एक समान ही बनाया हैं मृत्यु भी निश्चित तरीके से बनाई हैं यानि शरीर त्याग करना वह भी सभी का एक सा होता हैं लेकिन इन दोनों स्थितियों के बीच जो जीवन बचता हैं वह सभी का भिन्न भिन्न होता हैं ,,, बीच के इस जीवन को हम या तो खुद बनाते हैं अथवा हमारे परिजन ,, उक्त आश्य के उद्गार मुनि पुगंव श्री सुधा सागरजी महाराज ने ललितपुर में संस्कृति संस्थान स्नातक सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आज से पच्चीस वर्ष पूर्व आध्यात्मिक संत मुनि पुगंव श्री सुधा सागरजी महाराज की प्रेरणा से जयपुर चातुर्मास उपरांत श्रमण संस्कृति संस्थान की स्थापना 45 विद्यार्थीयो के साथ हुई थी जो आज देश के विभिन्न नगरों में समाज का मार्ग दर्शन कर रहे हैं। संस्थान से सैकड़ों विद्वान तैयार होकर देश भर के जिनालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जिनमें से आज परम पूज्य गुरुदेव के सान्निध्य चयनित विद्वानों का सम्मान किया जा रहा है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव ने कहा कि डॉक्टर का कार्य प्रशंसनीय हैं क्योंकि वह इलाज करके रोगी को ठीक करता हैं इंजीनियर प्रशंसनीय हैं क्योंकि अच्छा निर्माण करता हैं लेकिन एक ऐसे व्यक्तित्व की खोज करने निकले जो जीव उद्धार करते हुए प्रशंसनीय हो तो आपको वह केवल सांगानेर संस्थान में ही मिलेगा । सभी स्नातकों को आशीर्वाद देते हुए पूज्य गुरुदेव कहते हैं कि आप सभी को संस्थान में रहते हुए स्वयं की आजीविका कमाते हुए दुसरो के उद्धार के लिये प्रमुखता से कार्य करना चाहिये । आजीविका समस्या है तो रोगी के लिए दवा की तरह परामर्श समाधान हैं । लेकिन संस्थान में पढ़ाई गयी शिक्षा और संस्कार का असर जब भी दिखे तो जीव उद्धार के रूप में ही दिखे। धर्म क्षेत्र में अच्छाइयों का प्रचार नहीं होता कमीयों को उजागर करने वाले ज्यादा है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति जो धर्म क्रिया करता हैं और उसके साथ कोई दुर्घटना हो जाये तो वह हजारो को सुनाता हैं लेकिन धर्म क्षेत्र में कुछ अच्छा होने पर वह उसका प्रचार नही करता यही विषमता दुनिया मे धर्म को प्रभावित करती हैं ।जैसे पांच लोगों ने शांतिधारा की और उनमें से एक के कार्य की सिद्धि नही हुई उसने हजारो से कहा लेकिन जिन चारो के कार्य की सिद्धि हुई उन्होंने किसी से कुछ नही कहा । तब सोचिये एक आदमी ने चार लोगों को पीछे कर दिया । मेरा सभी स्नातकों से कहना हैं कि आप अपने विचारों को इस तरह लोगो तक पहुचाने का प्रयास कीजिये कि सुनते ही दूसरों के मन ललक जाए कि हम भी संस्थान में जाकर स्नातक की पढ़ाई करेंगे। यही कार्य आपके संस्थान को प्रसिद्धि दिलाता हैं संस्थान की प्रभावना करता हैं। आप अपने कार्य से इतनी प्रसिद्धि प्राप्त कीजिये कि आपके नाम से आपका गांवों और शहर का नाम रोशन हो,गाव व शहर के प्रत्येक व्यक्ति द्वारा यह कहा जाए कि हमारे गाँव के एक स्नातक के बनते ही हमारे गाँव के सभी व्यक्ति सुधर गए हैं। उन्होंने कहा कि एक दानवीर आशारानी पांड्या जी के बारे में कहते हुए कहते है कि वे जब पाठशाला के अधिवेशन में आई और उन्होंने वहां के माहौल को देखा तो बहुत ही हर्षित हुई गदगद हो गयी और इतना बड़ा दान देकर गयी कि पाठशाला जिंदगी भर के लिये अमर हो गयी ।

तीर्थ से अधिक सुकून मिला संस्थान की स्थापना से

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि पूज्य श्री कहते हैं मैने इतने तीर्थो का निर्माण कर लिया है कि मुझे गिनती नही पता लेकिन जब भी संस्थान को देखता हूं तो गौरवान्वित हो जाता हूँ कि मैने एक महातीर्थ का निर्माण हुआ हैं दानवीर भामाशाह अशोक पाटनी का प्रसंग सुनाते हुए कहते हैं कि में दुनिया मे कही भी दान देता हूं उससे कही अधिक खुशी तब होती हैं जब सांगानेर संस्थान में दान देता हूँ । रतन लाल बैनाड़ा साब के बाद डॉ शीतल शास्त्री साब , डॉ जय कुमार साब आदि ने मिलकर संस्थान को जो उचाईया देने का प्रयास किया हैं । वह अनुकरणीय हैं जयपुर के रहने वाले राणा जी और गोधा जी के जाने के बाद उनकी कमी को पूरा करने वाली कार्यकारणी को निर्देश और आशीर्वाद देते हुए पूज्य गुरुदेव कहते हैं कि अब यह सभी भली भांति संस्थान को बढ़ावा दे रहें हैं। जैन ने बताया कि श्रमण संस्कृति के बारे में विस्तार से चर्चा कहते हुए गुरुदेव भाव विव्हल हो उठे और आज उनके प्रत्येक शब्द केवल और केवल संस्थान के लिये थे । वे संस्थान को बहुत उचाईयो पर देखना चाहते हैं उनका प्रत्येक स्नातक से कहना हैं कि प्रत्येक स्नातक इतनी प्रसिद्धि प्राप्त करें कि स्नातक से संस्थान की पहिचान बनें। कार्य स्नातक करें नाम संस्थान का रोशन हो।

बाल रक्षा भारत संस्थान जयपुर द्वारा बच्चों के लिए आयोजित की गई प्रतियोगिताएं

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। जिले के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लाल जी का खेड़ा में बाल रक्षा भारत संस्थान जयपुर के चित्तौड़गढ़ की प्रतिनिधि मीनाक्षी शर्मा द्वारा पोस्टर,मेहंदी,रंगोली व चम्मच रेस प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार लखारा ने बताया कि संस्थान के प्रतिनिधि द्वारा बच्चों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा प्रोत्साहन स्वरूप बच्चों को बोतल व पेन वितरित किये गए। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ का भी सहयोग रहा।